केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 09 रविवार 28 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पटेल हास्पिटल गोटवा में कांवरियां भक्तों को मिलेगी निःशुल्क चिकित्सा सुविधा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा द्वारा कांवरियां भक्तों को 24 घंटे निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा कराया जायेगा। यह जानकारी देते हुये संस्थान के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि कई वर्षो से हास्पिटल की ओर से यह सेवा उपलब्ध करायी जाती है। बताया कि कांवरियों भक्तों की निःशुल्क चिकित्सा सेवा के लिये डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती कर दी गई है। कावरियां भक्त इस सेवा का लाभ उठायें जिससे उनकी धार्मिक यात्रा में कोई बाधा न आने पाये।

मिल कर्मचारियों का धरना जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । बस्ती मिल प्रबंधन के खिलाफ मिल कर्मचारियों का धरना शनिवार को भी जारी रहा। बता दें कि बस्ती चीनी मिल में अवैध तरीके से मिल की कटाई का कार्य जिला प्रशासन के मना करने के बावजूद चोरी से मिल प्रबंधन द्वारा किया जा रहा है जिसको लेकर मिल कर्मचारियों में काफी रोष व्याप्त है।

मिल कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मिल कर्मचारियों का बकाया भुगतान मिल प्रबंधन नहीं कर देता है तब तक हम शुगर मिल का कोई भी सामान बाहर नहीं ले जाने देंगे। जबकि इस मामले में जिला प्रशासन ने मिल कर्मचारियों से मिलकर आश्वासन दिया है कि मिल कर्मचारियों का बकाया भुगतान कराया जाएगा लेकिन मिल प्रबंधन कर्मचारियों के ऊपर अनावश्यक दबाव बनाकर धरने को समाप्त करना चाह रहा है लेकिन कर्मचारी लगातार धरना जारी रखे हुए हैं।

धरना स्थल पर मुख्य रूप से संजय कुमार सिंह, कमलेश सिंह, राजकुमार पाण्डेय, रामतेज निषाद, जनार्दन सिंह, अशोक कुमार सिंह, परशुराम, नवीन कुमार यादव ,रामदास, मेहीलाल, रामनाथ, पंकज सिंह, विनोद सिंह, कोदई चौधरी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

समाधान दिवस, 19 मामलों में कोई निस्तारण नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती)। अपर पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने शनिवार को नगर थाने पर आयोजित थाना समाधान दिवस में शामिल हुए। अपर पुलिस अधीक्षक ने लोगों की समस्यायों की जानकारी ली तथा पुलिस व राजस्व विभाग की टीम को उसका निस्तारण करने का निर्देश दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थानों पर सबसे अधिक राजस्व से जुड़े मामले पहुंच रहे हैं। थाना समाधान दिवस तभी सफल होगा जब समस्यायों का शत–प्रतिशत निस्तारण होगा। अपर जिलाधिकारी बस्ती प्रतिपाल सिंह चौहान ने कहा विवादों की जानकारी होते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की जाय। नगर थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का अयोजन किया गया। आये कुल 16 मामले आए एक मामला पुलिस संबंधित बाकी मामले राजस्व संबंधित है। राजस्व संबंधित मामले की टीम बनाई गई है।किसी मामले का निस्तारण नहीं हुआ। इस मौके पर थाना प्रभारी जयवर्धन सिंह, उप निरीक्षक अर्जुन तिवारी आदि मौजूद थे।

नीति आयोग की बैठक से ममता बनर्जी के बहिष्कार पर गरमाई राजनीति

नई दिल्ली (आभा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई नीति आयोग की बैठक को बीच में ही छोड़कर बाहर चली गईं। उन्होंने दावा किया कि बैठक में उन्हें बीच में ही रोक दिया गया। अब इस विवाद पर नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम की सफाई आई है और उन्होंने ममता बनर्जी के दावे को खारिज कर दिया है। नीति आयोग के सीईओ ने दावा किया कि हर मुख्यमंत्री को बोलने के लिए सात मिनट का समय दिया जाता है। जब ममता बनर्जी के बोलने का समय पूरा हो गया तो उन्होंने कहा कि मैं कुछ समय और बोलना चाहती थी, लेकिन अब नहीं बोलूंगी।

नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम ने कहा, बैठक में 10 अनुपस्थित और 26 प्रतिभागी थे। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पुडुचेरी से अनुपस्थित थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री मौजूद थीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लंच से पहले अपनी बारी का अनुरोध किया था। मैं सिर्फ तथ्य बता रहा हूं, कोई व्याख्या नहीं। यह उनकी तरफ से एक बहुत ही स्पष्ट अनुरोध था, क्योंकि आम तौर

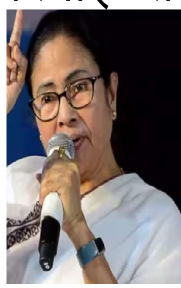

पर हम अल्फाबेटिकली में बात करते हैं। ऐसे में इसकी शुरुआत आंध्र प्रदेश से शुरू होती है, फिर अरुणाचल प्रदेश। हमने वास्तव में ममता बनर्जी की बात को माना और रक्षा मंत्री ने गुजरात से ठीक पहले उन्हें बुलाया। इसलिए उन्होंने अपना भाषण दिया।'

उन्होंने आगे कहा, 'हर मुख्यमंत्री को सात मिनट दिए जाते हैं और स्क्रीन के ऊपर सिर्फ एक घड़ी होती है जो आपको शेष समय बताती है। तो यह सात से छह, पांच, चार और तीन तक जाती है। उसके अंत में, शून्य दिखाती है और कुछ नहीं। इसके अलावा और कुछ नहीं हुआ.. .फिर उन्होंने कहा कि देखिए, मैं और समय बोलना चाहती थी, लेकिन मैं अब और नहीं बोलूंगी। बस इतना ही। और कुछ नहीं हुआ। हम सबने सुना। उन्होंने अपनी बातें रखीं और हमने सम्मानपूर्वक उनकी बातें सुनीं तथा नोट कीं।' नीति आयोग के सीईओ ने यह भी बताया कि कई लोग ऐसे थे, जोकि आखिरी समय में बैठक में नहीं आए। कुछ राज्यों के भाषण भी थे, लेकिन भाग नहीं लिया जैसे झारखंड और पुडुचेरी। सभी लोग बहिष्कार की वजह से बाहर नहीं हुए। जो लोग नहीं आए, उनके लिए मैं हमेशा कहता हूं कि यह उनका नुकसान है।

इससे पहले, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि उन्हें नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में बोलने की अनुमति नहीं देकर अपमानित किया गया। बनर्जी ने कहा कि अगर अन्य राज्यों को अधिक धन आवंटित किया जाता है तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वह पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव का विरोध करेंगी। नयी दिल्ली से वापसी के समय कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे बोलने नहीं दिया गया। वे बार–बार घंटी बजा रहे थे। यह अपमानजनक है।' शनिवार को, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक से बीच में ही बाहर निकल गईं। बनर्जी ने कहा, 'अगर वे कुछ राज्यों को ज्यादा धन आवंटित करते हैं, तो मुझे कोई समस्या नहीं है। लेकिन दूसरे राज्यों या बंगाल के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

समाधान दिवसः मौके पर जाकर समस्याओं का निस्तारण करायें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता व पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने थाना वाल्टरगंज पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर फरियादियों के समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित व गुणवत्तापरक निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों की टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों के शत–प्रतिशत, त्वरित, निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। समाधान दिवस के दौरान संबंधित नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी, सम्बन्धित हल्का लेखपाल व थाने के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सिपाही भर्ती की तैयारियां शुरू, डीएम, एसपी ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता व पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने उ0प्र0 पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा माह अगस्त में आयोजित होने वाले आरक्षी भर्ती परीक्षा–2024 के दृष्टिगत परीक्षा केन्द्र एपीएन तथा केडीसी इण्टर कालेज का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने तैयारियों में लगे समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि शासन के मंशानुरूप समस्त केन्द्रों पर आयोजित परीक्षा को निष्पक्ष, समयबद्ध तथा सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह सहित क्षेत्राधिकारी सदर तथा संबंधित अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के छितिरगांवा गांव में एक विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटक गई। गांव में दो मंजिला मकान में लगे लोहे के पाइप में दुपट्टे के सहारे उसका शव मिला। सूचना पर सोनहा पुलिस मौके पर पहुंच गई।

परिजनों के अनुसार गुड़िया (23) पत्नी राजदेव पाण्डेय खाना बनाने के बाद ननद काजल के साथ छत पर बने टीनशेड के कमरे में सोने चली गई। ननद से बोली कि मैं पति से फोन पर बात करने जा रही हूं, बात करने के बाद आकर सो जाऊंगी। ज्यादा वक्त बीतने पर जब गुड़िया सोने नहीं आई तो ननद काजल करीब पौने 12 बजे उठी और भाभी को खोजने लगी। काजल ने खिड़की से देखा तो गुड़िया का शव टीनशेड में लगे पाइप के सहारे लटक रहा था।

बदहवाश काजल ने घरवालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद गुड़िया के मायके गोंडा जनपद के वजीरगंज थानाक्षेत्र के रुपीपुर (तिवारी टोला) में सूचना दी गई। जब मायके वाले आए तो पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतरवाया। गुड़िया की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व हुई थी और उसके अभी बच्चे नहीं थे। पति राजदेव दो माह से केरल में नौकरी करता है।

इस बाबत एसआई रमजान अली अंसारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह का सामने आएगी। उसी आधार पर अग्रिम कार्रवाई होगी।

यूपी के 41 जिलों में खुलेगी शक्ति रसोई, मिलेगा सस्ता खाना

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर विकास विभाग शहरी क्षेत्रों में लोगों को सस्ता और साफ–सुथरा खाना खिलाने के लिए शक्ति रसोई का विस्तार कराने जा रहा है। दूसरे चरण में प्रदेश के 41 जिलों में इसकी शुरुआत होने जा रही है। इसमें 14 डीएम कार्यालय, 11 तहसील परिसर, छह जिला अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्र, चार डिग्री कॉलेज, दो नगर निगम परिसर, तीन विकास भवन और चार अन्य स्थानों पर खोला जाएगा। कुल 44 स्थानों का चयन इसके लिए किया जा चुका है। इसकी शुरुआत 15 अगस्त से करने की तैयारी है।

शक्ति रसोई के माध्यम से स्थानीय पकवान को बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें संबंधित जिलों के विशेष महत्व रखने वाले पकवानों को शक्ति रसोई में परोसा जाएगा। उदाहरण के लिए देवरिया में ब्रेड कटलेट और लिट्टी चोखा, गोरखपुर रीकवाच, प्रयागराज समोसा और अयोध्या चना दाल के फरे खासतौर से खाने में दिए जा रहे हैं। इससे न केवल स्थानीय स्वाद को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि लोगों को

खाना घर जैसा लगेगा। पहले चरण में इसे 15 जिलों के 25 स्थानों लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और अन्य शहरी क्षेत्रों में चलाया जा रहा है।

शक्ति रसोई को 25 स्वयं–सहायता समूह की 104 महिलाओं द्वारा अभी चलाया जा रहा है। प्रदेश के अन्य जिलों में शुरू होने वाली इन शक्ति रसोइयों को स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा चलाया जाएगा। इसके लिए इन महिलाओं को समय–समय पर बड़े होटलों के शेफ द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में छोले चावल, राजमा चावल और कढ़ी बनाने की जानकारियां दी जा रही हैं। इसके लिए एक ऐप बनाया जा रहा है, जिसे 10 अगस्त तक लांच करने की तैयारी है। शक्ति रसोई में काम कर रही महिलाएं ६8000 से ६10000 रुपये हर माह कमा रही हैं।

अलीगढ़, बरेली, गाजियाबाद, मेरठ, शाहजहांपुर, सहारनपुर, मथुरा, कानपुर देहात, चंदौली, पीलीभीत, बांदा में खोला जाएगा। बाराबंकी, बिजनौर, महराजगंज, रायबरेली, शामली, सीतापुर, सुल्तानपुर, औरैया, इटावा, कुशीनगर, जौनपुर, बागपत, फिरोजाबाद में भी खोले जाएंगे। अंबेडकरनगर, उन्नाव, कौशांबी, गाजीपुर, गोंडा, गौतमबुद्धनगर, प्रतापगढ़, बांदा, बहराइच, बुलंदशहर, महोबा, संभल, हमीरपुर, कासगंज, मुजफ्फरनगर व लखीमपुर खीरी में भी शक्ति रसोई खोली जाएगी।

अधिशासी अभियंता बाढ़ कार्य खंड प्रथम में वेतन घोटाले का मामला गरमाया, 5 पर मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के अधिशासी अभियंता बाढ़ कार्य खंड प्रथम के कार्यालय में वेतन के नाम पर करीब 1,25,41,987 रुपये के गोलमाल की विभागीय जांच पूरी होने के बाद इसमें शामिल पांच लोगों पर केस दर्ज हुआ है।

पुलिस ने अनिल कुमार, वरिष्ठ सहायक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में अरविन्द कुमार, वरिष्ठ सहायक बाढ़ कार्य खंड प्रथम, हरिश्चन्द्र सींच पर्यवेक्षक बाढ़ कार्य प्रथम, ओमनरायण पाठक कनिष्ट सहायक बाढ़ कार्य खंड प्रथम, महेन्द्र कुमार टिण्डैल बाढ़ कार्य खंड प्रथम, घनश्याम मेट बाढ़ कार्य खंड प्रथम पर केस दर्ज हुआ है। मामले की जांच एसआई अजय सिंह करेंगे।

गौरतलब है कि करीब तीन साल से विभाग में वेतन के नाम पर चल रहे इस खेल का खुलासा होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया था। अभिलेखों की जांच में पता चला कि खंड में कार्यरत कुल पांच कर्मियों के खाते में वेतन के अतिरिक्त 1,25,41,987 करोड़ रुपये भेजे गए थे। इस रकम में से 1.13 करोड़ रुपये तो सिर्फ दो कर्मचारियों के खाते में भेजा गया था। इन पांचों कर्मियों के साथ वेतन लिपिक को भी निलंबित कर दिया गया।

विभागीय जांच में सामने आया कि कार्यालय के अभिलेख में आरोपी कर्मियों का वेतन सही दर्ज किया गया है, जबकि ऑनलाइन फंड ट्रांसफर में यह खेल हुआ था। इस वजह से गोलमाल नहीं पकड़ा जा सका। आरोपी दो कर्मचारियों ने निलंबन से पूर्व ही खाते में आए अधिक वेतन को राजकोष में जमा करा दिया था। इसके बाद से विभाग का फोकस शेष तीन कर्मियों से रिकवरी पर था। बताया जा रहा है कि खेत बेचने से लेकर लोन कराने तक का प्रबंध कर कर्मचारियों ने अतिरिक्त वेतन की रकम को लगभग चुका भी दिया।

वेतन से अधिक 1.23 करोड़ रुपये के भुगतान का खुलासा होने के बाद अधिशासी अभियंता स्तर से गत 28 जून को पांच कर्मियों को नोटिस जारी किया था। वेतन मद में ली गई अधिक धनराशि का कारण स्पष्ट करते हुए तत्काल राजकीय कोष में जमा करने को कहा गया।

प्रकरण में आरोपी टिण्डैल महेन्द्र कुमार ने तीन लाख 28 हजार 736 और मेट घनश्याम ने दो लाख 66 हजार 268 रुपये वेतन से अधिक ली गई धनराशि को चालान के माध्यम से राजकीय कोष में जमा करा दिया। लेकिन वरिष्ठ सहायक अरविन्द कुमार ने 55 लाख 22 हजार 40 रुपया, कनिष्ठ सहायक ओमनरायन पाठक ने तीन लाख पांच हजार 299 रुपये और सींच पर्यवेक्षक हरिश्चंद्र ने 61 लाख 19 हजार 644 रुपये जमा नहीं कराया था।

चौदहवीं पुण्य तिथि हदीसुननिशां को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कबीर साहित्य सेवा संस्थान द्वारा जिलाध्यक्ष मोहम्मद सामईन फारुकी के संयोजन में मरहुम हदीसुन निशां के चौदहवीं पुण्य तिथि पर प्रेस क्लब सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डा. राम नरेश सिंह मंजुल ने किया। कार्यक्रम में आयुष चिकित्साधिकारी डा वी. के. वर्मा ने कहा कि संसार में मां का स्थान कोई दूसरा नहीं ले सकता। मोहम्मद सामईन फारुकी का प्रयास सराहनीय है।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा, साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', दशरथ प्रसाद यादव,

बी.के. मिश्र, बाबूराम वर्मा, फूलचंद चौधरी आदि ने कहा कि अच्छे लोगों को सदैव याद किया जाना चाहिये। वक्ताओं ने मरहुम हदीसुन निशा के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। मोहम्मद सामईन फारुकी ने कहा कि उनकी मां ने कठिन परिस्थितियों में भी परिवार को अच्छे संस्कार दिये। कार्यक्रम में कवियों ने मां पर केन्द्रित रचनायें सुनाकर वातावरण को भावुक कर दिया।

श्रद्धांजलि सभा में अनुराग श्रीवास्तव, अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, ओम प्रकाश पाण्डेय, महेन्द्र सिंह, अशद वस्तवी, फूलचन्द यादव, दीपक सिंह प्रेमी, विकास शर्मा आदि ने दो मिनट का मौन रखकर मरहुम हदीसुन निशां को नमन् किया।

पुलिस कर्मियों द्वारा की जा रही वसूली पर योगी सरकार सख्त, एसपी होंगे जबाबदेह

लखनऊ (आभा)। बलिया में वसूली गैंग खुलासे के बाद योगी सरकार ने सख्ती दिखाई है। जिलों में पुलिस कर्मियों के स्तर से हो रही वसूली की शिकायतों पर अब सरकार ने सीधे एसपी की जवाबदेही तय कर दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय को जन प्रतिनिधियों और अन्य माध्यमों से मिली शिकायतों के आधार पर कई जिले इस समय 'रडार' पर हैं। इन जिलों पर डीजीपी मुख्यालय से नजर रखी जा रही है।

बलिया में संगठित गिरोह बनाकर चल रहे अवैध वसूली के बड़े 'खेल' का पर्दाफाश होने के बाद सभी जोन व रेंज के अधिकारी अपने स्तर से भी

जानकारी जुटाने में लगे हैं।

सूत्रों के अनुसार शिकायतों की प्रारंभिक पुष्टि के बाद डीजीपी मुख्यालय से कभी भी औचक जांच कराई जा सकती है। जांच में शिकायतें सही पाए जाने पर अन्य जिम्मेदार अफसरों के साथ ही संबंधित जिले के पुलिस कप्तान की भी जवाबदेही तय की जाएगी। किसी भी जिले में पुलिस के स्तर से भ्रष्टाचार के मामले में पुलिस कप्तान को शिथिल पर्यवेक्षण के लिए प्रथमदृष्ट्या दोषी माना जाएगा।

बलिया में एसपी देव रंजन वर्मा व एएसपी दुर्गा प्रसाद तिवारी को हटाकर प्रतीक्षारत करके तथा सीओ, एसओ व चौकी इंचार्ज समेत 19 पुलिसकर्मियों को निलंबित करके प्रदेश सरकार ने अपने सख्त रुख का संदेश दे दिया है। सीओ, एसओ व चौकी इंचार्ज की संपत्तियों की खुली विजिलेंस जांच के आदेश से प्रदेश सरकार ने भ्रष्टाचार पर अपने बेहद कड़े रुख का इजहार भी कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार जनप्रतिनिधियों के साथ हो रही मंडलवार बैठकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को थानों व तहसीलों में भ्रष्टाचार और अवैध वसूली की शिकायतें मिली हैं। इससे पहले कुछ एसडीएम व तहसीलदार भी निलंबित किए गए थे।

स्टाप नर्स की नौकरी दिलाने के नाम पर एक लाख 20 हजार की धोखाधड़ी का आरोप

–दोषी के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर रूपया वापस कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती मेडिकल कॉलेज में स्टाप नर्स के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर एक लाख बीस हजार रूपये के धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। लालगंज थाना क्षेत्र के घघौरा निवासी दीपक कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद को कोतवाली प्रभारी को तहरीर और पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर कहा है कि कोतवाली थाना क्षेत्र के बैरिहवा निवासी सुरेन्द्र बहादुर उर्फ खलनायक पुत्र कृष्ण मोहन ने दीपक कुमार से कहा कि बस्ती मेडिकल कालेज में स्टाप नर्स का पद रिक्त है, कोई इच्छुक प्रशिक्षित महिला हो तो उपलब्ध करा दो, हम नौकरी लगवा देंगे। सुरेन्द्र बहादुर उर्फ खलनायक की बातों पर विश्वास कर दीपक कुमार ने उसे पांच वर्ष पूर्व 2019 में हेमा शर्मा को नौकरी दिलाने के लिये एक लाख बीस हजार रूपया दे दिया। नौकरी न लगने पर जब दीपक कुमार ने सुरेन्द्र बहादुर उर्फ खलनायक से पैसा वापस करने को कहा तो वह आना कानी करने लगा। दबाव बनाने पर उसने अपने खाते से 49 हजार रूपये का चेक दिया जो गलत था।

तहरीर और एसपी को दिये पत्र में कहा गया है कि जब दीपक कुमार ने पैसा वापस करने के लिये सुरेन्द्र बहादुर उर्फ खलनायक पर दबाव बनाया तो वह धमकी पर उतर आया और कहा कि ज्यादा नेतागिरी करोगे तो पैसा नहीं मिलेगा और मुसीबत में फंस जाओगे।

दीपक कुमार ने नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले सुरेन्द्र बहादुर उर्फ खलनायक के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर एक लाख बीस हजार रूपया वापस कराने और अपने जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाया है।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 जुलाई 2024 रविवार

सम्पादकीय

नीति आयोग की बैठक और बहिष्कार

नीति आयोग की बैठक में विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों के बहिष्कार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का माइक बंद कर देने के आरोपों के बीच मूल प्रश्न यह कि केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच बढता टकराव कैसे कम होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की मीटिंग हुई। बंगाल की सीएम बैठक छोड़कर बाहर निकल आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की एकमात्र प्रतिनिधि होने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान बीच में ही रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि 5 मिनट के बाद उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, जबकि अन्य मुख्यमंत्रियों को अधिक देर तक बोलने की इजाजत दी गई। हालांकि, केंद्र सरकार की ओर से इन आरोपों को गलत बताया जा रहा है।

ममता बनर्जी के आरोपों पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'सीएम बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लिया। हम सभी ने उन्हें सुना। प्रत्येक सीएम को आवंटित समय दिया गया था और उसे स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया था जो हर टेबल के सामने मौजूद थी। मगर, ममता ने मीडिया में कहा कि उनका माइक बंद कर दिया गया था। यह पूरी तरह से झूठ है।' उन्होंने कहा कि प्रत्येक मुख्यमंत्री को बोलने के लिए उचित समय दिया गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि उनका माइक बंद कर दिया गया था, जो सच नहीं है। उन्हें सच बोलना चाहिए, बजाय फिर से झूठ पर आधारित एक कथा का निर्माण करना चाहिए।'

बैठक से बाहर आने के बाद ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं बैठक का बहिष्कार करके बाहर आई हूं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को बोलने के लिए 20 मिनट दिए गए। असम, गोवा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने 10 से 12 मिनट तक अपनी बात रखी। मुझे 5 मिनट बाद ही बोलने से रोक दिया गया। यह अनुचित है।' उन्होंने कहा कि विपक्ष की तरफ से मैं यहां अकेली नेता हूं। मैंने बैठक में इसलिए हिस्सा लिया, क्योंकि सहकारी संघवाद को मजबूत किया जाना चाहिए। वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने ममता बनर्जी के इस दावे को लेकर केंद्र की निंदा की है। स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट में सवाल किया, 'क्या यही सहकारी संघवाद है? क्या मुख्यमंत्री के साथ व्यवहार करने का यही तरीका है? केंद्र की भाजपा नीत सरकार को यह समझना चाहिए कि विपक्षी दल हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं और उन्हें दुश्मन नहीं समझा जाना चाहिए। सहकारी संघवाद के लिए संवाद और सभी आवाजों का सम्मान जरूरी है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें विभिन्न विकास मुद्दों और नीतिगत मामलों पर चर्चा की गई। कई विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने इस अहम बैठक में भाग नहीं लिया। हालांकि केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार के सहयोगी व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में हिस्सा नहीं लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में राज्य का प्रतिनिधित्व दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में नीतीश के अनुपस्थित रहने का कारण अभी पता नहीं चल सका है।

जनता दल—यूनाइटेड (जदयू) के प्रवक्ता नीरज कुमार ने से कहा, ''यह पहली बार नहीं है, जब मुख्यमंत्री नीतीश आयोग की बैठक में हिस्सा नहीं ले रहे। मुख्यमंत्री पहले भी बैठक में शामिल नहीं हुए थे और बिहार का प्रतिनिधित्व तत्कालीन उपमुख्यमंत्री ने किया था। इस बार भी दोनों उपमुख्यमंत्री बैठक में शामिल होने गए हैं।'' कुमार ने कहा, ''इसके अलावा, बिहार से चार केंद्रीय मंत्री भी आयोग के सदस्य हैं और वे बैठक में मौजूद रहेंगे। इस पर कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है।'' नीति आयोग की शीर्ष संस्था शासी परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र—शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की संचालन परिषद की महत्वपूर्ण नौवीं बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने में राज्यों की भूमिका अहम है। प्रधानमंत्री ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य हर भारतीय की आकांक्षाओं से जुड़ा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को छोड़ कर विपक्षी दलों की सरकारों वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठक का बहिष्कार किया है। वे इस बार के आम बजट में भेदभाव किए जाने का अरोप लगा रहे हैं। बनर्जी भी कार्यवाही के संचालन के तरीके पर विरोध करते हुए बैठक बीच में ही छोड़ गईं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है और राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दशक तकनीकी और भू—राजनीतिक बदलावों के साथ—साथ अवसरों का भी है। ''भारत को इन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए और अपनी नीतियों को अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए अनुकूल बनाना चाहिए। यह भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में प्रगति का रास्ता है। बैठक का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच सहभागी संचालन तथा सहयोग को बढ़ावा देना, वितरण तंत्र को मजबूत करके ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। बहरहाल गैर भाजपा मुख्यमंत्रियों का नीति आयोग की बैठक से बहिष्कार चिन्ता का विषय होना चाहिये। अच्छा हो कि केन्द्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करे।

कावड़ यात्रा के धार्मिक, सामाजिक सरोकार

—मनोज सिंह—

धार्मिक स्थान किसी भी धर्म का दिखाई पड़े,मन श्रद्धा से झुक जाता है सभी धर्म की अपनी अपनी पूजा पद्धति और समाज के प्रति सकारात्मक कर्तव्यों का बोध कराता है दया, परोपकार, और कमजोर तथा असहाय लोगों की सेवा धर्म के आभूषण है ।

कोरोना काल में एक तरफ धार्मिक संगठन ने जगह—जगह लोगों के भोजन और जलपान की व्यवस्था की वही देश के हजारों सामाजिक संगठनों ने उसे दौर में जब लोग घरों से निकलना नहीं चाहते थे संक्रमण काल के वीभत्स दौर में मृत्यु के डर से लेकिन उस दौर में भी जीवन की भी परवाह न करके देश के लाखों युवा , उम्रदराज लोग,वेबश लोगों की सेवा में लगे रहे और प्रतिदिन देश के विभिन्न कोनों में करोड़ों लोगों के भोजन और पानी की व्यवस्था करते रहे ऐसे लोगों की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है ऐसे व्यक्ति किसी एक धर्म विशेष से न होकर हर धर्म के विवेक शील, परोपकारी, और उदार प्रवृत्ति के लोगों ने मानवता की मिसाल कायम किया जिसकी चर्चा आज भी होती है उस भयानक दौर के बीत जाने के बाद भी, उस समय जिन लोगों को भोजन और पानी की व्यवस्था कराया गया तो उनका न जाति देखा गया ना उनका धर्म और जो परेशान और मजबूर लोग सामाजिक लोगों की सेवाएं ले रहे थे उन लोगों ने भी कभी किसी का ना धर्म पूछा ना जाति उस मजबूरी के दौर में वर्तमान समय में सावन का महीना चल रहा है देश के विभिन्न स्थानों में शिव भक्त कावड़ यात्रा में जलाभिषेक के लिए एक स्थान से जल लेकर सुदूर दूसरे स्थान शिव मंदिर तक जल चढ़ाने के लिए पैदल नंगे पैर शिव आस्था के नाम पर जाते हैं ।

देश में धार्मिक आस्था के नाम पर लोग तरह —तरह से ईश्वर को खुश करने के लिए प्रयोजन करते हैं धार्मिक अनुष्ठानों में प्रायः अच्छे लोगों की संख्या अधिक होती है लेकिन जिस तरह हर समाज और हर धर्म में एक तरफ अच्छे लोग बड़ी संख्या में होते हैं वही दुष्ट प्रवृत्ति के लोग हर धर्म और अनुष्ठान में होते हैं ।

एक तरफ परोपकारी और उदारवादी अच्छे लोग होते हैं बड़ी संख्या में ,लेकिन वही दूसरों को तकलीफ पहुंचाने वाले दूसरों की तकलीफ में खुश होने वाले स्तर विहीन लोग भी होते हैं ऐसे लोग इतने संवेदनहीन होते हैं जिन्हें अपने और पराये को तकलीफ पहुंचाने में गुरेज नहीं करते, वही समाज के अच्छे लोग परोपकार करते समय अपना और पराया नहीं देखते एक तरफ बहुत बड़ी संख्या में शिव भक्त कांवडिया कठिन तपस्या करके अपनी कावड़ यात्रा कर रहे हैं वहीं उसमें कुछ अराजक तत्व भगवा रंग की आड़ में यात्रा में शामिल होकर छोटी—छोटी बातों पर हिंसक घटनाओं को अंजाम देकर कावड़ यात्रा की पवित्रता को दूषित कर रहे हैं स्वयं तो ऐसे लोग दुष्ट प्रवृत्ति के होते हैं लेकिन साथ में उस यात्रा में सीधे साधे और भोले भाले कांवड़ियों को भी बदनाम कर रहे हैं ।

ऐसी स्थिति में एक तरफ प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है की कावड़ यात्रा के दौरान अगर कहीं हिंसक घटना होती है तो उसमें शामिल लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए दूसरी तरफ कावड़ यात्रा में शामिल अच्छे लोगों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यदि छोटी—छोटी बातों को लेकर कोई कावड़ यात्री हिंसक होता है तो उसे समझना चाहिए और प्रयास करना चाहिए की हिंसक घटनाएं ना हो क्योंकि धार्मिक अनुष्ठान में हिंसा का कोई स्थान नहीं होता ।

धार्मिक विविधता हमारी शक्ति

—विश्वनाथ सचदेव—

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवड़ियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने—पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवड़ियों की आस्था की शुचिता का है! लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवड़ियों को लेकर यह विवाद क्यों?

प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है। तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए। लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े। इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं। कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा—अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग—अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है।

सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है। उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती। अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना जरूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट करना जरूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए। यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है। था कोई जमाना जब राजनेता अक्सर यह कहकर बच निकलते थे कि उन्हें गलत उद्धृत किया गया, अथवा गलत समझ गया, पर चौबीस घंटे समाचार चौनलों के युग में यह बहानेबाजी नहीं चल सकती। सारी दुनिया ने शुभेंदु अधिकारी के उस भाषण को सुना है। दुनिया ने तो भाजपा के एक अन्य बड़े नेता को पिछले चुनावों के समय प्रचार के दौरान यह कहते भी सुना था कि हमें अल्पसंख्यकों के वोट की आवश्यकता नहीं है। यही क्यों, स्वयं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह कह चुका है कि कांग्रेस वाले देश के संसाधन मुख्यतरू 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों' को देना चाहते हैं। यह सारी बातें सांप्रदायिकता की उस घटिया और खतरनाक राजनीति की ओर इशारा करती हैं जो देश के सामाजिक ताने—बाने को कमजोर बनाने में लगी है। हमारा पंथ—निरपेक्ष संविधान सर्व धर्म समभाव में विश्वास करता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच—विचार कर भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने से इनकार किया था। आसेतु—हिमालय हमारा भारत सभी धर्मों को मानने वाले भारतवासियों का देश है। हमारे प्रधानमंत्री यह कहते नहीं थकते की 140 करोड़ भारतवासी उनका परिवार है। जब इस परिवार के एक हिस्से को पंक्ति से बाहर बिठाने की कोशिशें हो रही हैं तो स्वयं को परिवार का मुखिया मानने वाले व्यक्ति के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वह इन विघटनकारी गतिविधियों का न केवल विरोध करे बल्कि उन्हें असफल बनाने का उदाहरण प्रस्तुत करे। दुर्भाग्य से ऐसा होता नहीं दिख रहा। प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया। बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए। यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है।

न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया। लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है, उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं। हमारी गंगा—जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिन्हित किए जाने का कोई स्थान नहीं है। यही हमारा वह संविधान भी कहता है जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते। शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी जरूरी है। यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है। संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है।

कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता की दुहाई देने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए की यात्रा के मार्ग में कांवड़ियों का स्वागत—सत्कार करने वाले सिर्फ हिंदू ही नहीं हैं। अन्य धर्म के लोग भी इस कार्य में आगे बढ़कर काम करते हैं। कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से फूल भले ही कोई सरकार, या संगठन बरसाये, पर यात्रा को सफल बनाने में उनके योगदान को नहीं भुलाया जाना चाहिए जो गैर—हिंदू होते हुए भी श्रद्धालुओं की मदद करना अपना कर्तव्य समझते हैं। उदहारण ऐसे मुसलमानों के भी मिलते हैं जो हिंदू कांवड़ियों के कंधे से कंधा मिलाकर यात्रा में हिस्सा लेते हैं!

धार्मिक त्योहारों को मिल—जुलकर मनाने की हमारी लंबी परंपरा रही है। हम ईद और दिवाली मिलकर मनाने में विश्वास करते हैं। एक—दूसरे की आस्था—परंपरा का सम्मान करना इसी विश्वास का एक हिस्सा है। रहा सवाल सामिष और निरामिष भोजन का, तो यह काम खाने—पीने की जगह पर स्पष्ट सूचित करने से हो सकता है। 'हिंदू पानी और मुस्लिम पानी' जैसी कोई व्यवस्था रिश्तों को बिगड़ने का काम ही करेगी। जरूरत देश की जनता के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने की है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए सामाजिक और धार्मिक सद्भावना के वातावरण को बिगाड़ने वाले कुल मिलाकर देश के दुश्मन ही कहे जाने चाहिए। ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाना चाहिए जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की राह से भटकाने वाला हो। धार्मिक विविधता हमारी ताकत है। इस विविधता को बनाये रखना हर सच्चे भारतीय का कर्तव्य हैदृ और इसके लिए जरूरी है कि हम स्वयं को पहले भारतीय समझें, फिर कुछ और!—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पौधों को जिंदा रखने की पहल जरूरी

— दीपक कुमार त्यागी—

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'पेड़ लगाओं पेड़ बचाओं अभियान 2024 की जबरदस्त शुरुआत करते हुए एक दिन में ही 36.50 करोड़ पौधों लगाकर के फिर से एक नया कीर्तिमान बनाते हुए प्रदेश व देश के आम जनमानस को एक बड़ा सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया है। हमारे प्यारे महान देश भारत में बरसात का सीजन चल रहा है, बारिश के इस सीजन में केंद्र व हर राज्य की सरकार बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने का अभियान पिछले कई वर्षों से हर वर्ष चलाती आ रही है। इस दौरान देश में हर वर्ष अरबों पौधों का रोपण करके कीर्तिमान बनाया जाता रहता है। इस वर्ष भी हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्एक पेड़ माँ के नामश् के साथ जीवन बचाने के लिए एक बेहद ही महत्वपूर्ण अभियान की शुरुआत की है। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्पेड़ लगाओं पेड़ बचाओं अभियान 2024श् की जबरदस्त शुरुआत करते हुए एक दिन में ही 36.50 करोड़ पौधे लगाकर के फिर से एक नया कीर्तिमान बनाते हुए प्रदेश व देश के आम जनमानस को एक बड़ा सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया है। उन्होंने बड़ी संख्या में पौधारोपण करके लोगों को समय रहते पेड़ों की अहमियत समझाने के लिए बहुत ही शानदार काम किया है।

धरती के श्रृंगार की उसी कड़ी में इस वर्ष भी देश के विभिन्न हिस्सों में पौधारोपण हो रहा। पौधारोपण की इस बेहद जबरदस्त होड़ में अलग—अलग राज्यों में नित—नए रिकॉर्ड बनाते जा रहे। लेकिन शायद ही कोई विभाग यह विचार करने के लिए तैयार है कि तेज धूप, सूखी जमीन में पौधारोपण के सरकारी लक्ष्य को दशकों से पूरा तो किया जा रहा है, लेकिन शायद ही कभी इन पौधारोपण करने वाले विभागों और लोगों ने पीछे मुड़कर के यह देखा हो कि उनके द्वारा लगायें गये पौधों का धरातल पर क्या हाल है। क्योंकि अगर चौथाई पौधे भी जिंदा रहते तो अब तक तो भारत की भूमि पर पिछले कुछ दशकों में इतना पौधारोपण है चुका है कि देश में खाली जगहों पर घना वन तैयार हो चुका होता। जो दूर—दूर तक कहीं भी नजर नहीं आता है। उसके उल्टा विकास की अंधी दौड़ में देश में घर, घेर, खेत, खलिहान, चक रोड़, छोटी बड़ी सड़कों, बंबों व नहर की पटरियों से पेड़ तेजी से गायब होते जा रहे हैं। अगर हम लोगों को अपनी आंखों से इसकी एक बानगी देखनी हो तो उत्तराखंड के हरिद्वार से निकली सैंकड़ों किलोमीटर लंबी गंगनहर के दोनों किनारों पर दशकों पुराने विशाल वृक्षों को कटते हुए देख सकते हैं।

लेकिन जिस तरह से वर्ष दर वर्ष भीषण गर्मी अपना प्रचंड रूप हम सभी को दिखाती जा रही है, हम सभी को समय रहते यह समझना होगा कि जिस प्रकार से हमारे शरीर को पोषण के लिए पर्याप्त मात्र में संतुलित भोजन की बेहद आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार से धरती की जैव विविधता व प्राकृतिक संरचना को बचाने के लिए और पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए धरा के श्रंगार के रूप में पर्याप्त मात्र में पेड़—पौधों की आवश्यकता होती है। हम सभी को समय रहते समझना होगा कि हमारे जीवन के लिए बेहद जरूरी सांसों का बंदोबस्त पेड़ ही करते हैं, पेड़ लंबे समय तक ऑक्सीजन प्रदान करके, वायु की गुणवत्ता में सुधार करके धरा का वातावरण हमारे जीवन के अनुकूल बनाने का काम करते हैं।

पेड़ ही जलवायु में सुधार करके जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का कार्य करते हैं। हर पेड़ अपने जीवन चक्र में धरा के प्रत्येक जीव—जंतु के लिए शुद्ध प्राण वायु के बंदोबस्त करने के साथ—साथ जीवन के लिए धरा पर जल संरक्षण करने में बेहद कारगर भूमिका निभाते हैं, पेड़ नदी, झरनों व विभिन्न प्रकार के जलस्रोतों के रक्षक होते हैं।

बरसात व बाढ़ में मैदान व पहाड़ में मिट्टी के कटाव को रोकने का कार्य करते हैं, पेड़ मिट्टी को संरक्षित करने का कारगर प्राकृतिक माध्यम होते हैं और अपनी छांव में इस अद्भुत धरा पर नित—नए जीवन को उत्पन्न होने का अवसर देने का कार्य करते हैं। इसलिए देश के सिस्टम व हम सभी लोगों को यह समझना होगा कि मात्र पौधारोपण करके अपने कार्य को पूरा नहीं माने, बल्कि पौधों की देखभाल करके उन्हें जिंदा रखने का कार्य करें, तब ही देश में एकबार फिर से धरा का अद्भुत आलौकिक दिव्य श्रंगार होगा, लोगों को प्रचंड गर्मी, वायु प्रदूषण आदि से राहत मिलेगी और धरा पर अनमोल जैव विविधता को निरंतर पनपने का माहौल मिलेगा।

अखिलेश—केशव के व्यंग्य में कटुता

—अजय कुमार—

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच नोकझोंक कोई नई नहीं है। यह सब तब से चल रहा है जब एक बार समाजवादी पार्टी के प्रचार के दौरान समाजवादी रथ में नेताजी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव तो कुर्सी पर बैठे,लेकिन शिवपाल यादव कुर्सी की जगह कुर्सी के हत्थे पर बैठे नजर आये थे। वहीं इसके उलट दोनों के बीच तब भी नोंकझोंक देखने को मिली थी,जब एक मीटिंग के दौरान डिप्टी सीएम स्टूल पर बैठे नजर आये थे। इसके बाद अखिलेश अक्सर केशव प्रसाद को स्टूल वाला मंत्री कहकर चिढ़ाते रहते थे। इसी प्रकार जब हाल में ही केशव और योगी के बीच मतभेद की खबरें आईं तो अखिलेश उसमें कूद पड़े और केशव को सौ विधायक लाने पर मुख्यमंत्री बनाने का 'मानसून आफर' दे दिया। अब इसी क्रम में जुबानी जंग मानसून आफर से निकालकर मोहरे तक जा पहुंच गई है।

दरअसल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित संविधान मान स्तंभ की स्थापना कार्यक्रम में कहा था कि वो(केशव प्रसाद मौर्य)दिल्ली के वाईफाई का पासवर्ड हैं। मौर्य जी तो मोहरा हैं, कुछ देर में ही इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर केशव प्रसाद मौर्य का भी जवाब आ गया। उन्होंने अखिलेश यादव पर कांग्रेस का मोहरा बनने का आरोप लगाया। अखिलेश भी नहीं रुके, शाम होने तक उन्होंने फिर केशव पर निशाना साधते हुए उनको डबल इंजन की सरकार में दिल्ली— लखनऊ के बीच शंटिंग करने वाला इंजन तक कह दिया।

अखिलेश यादव और केशव प्रसाद मौर्य के बीच आरोप—प्रत्यारोप पिछले दिनों भाजपा की कार्यसमिति की बैठक के बाद तेज हो गई है। केशव ने बैठक में संगठन को सरकार से बड़ा होने की बात क्या कही, इस पर अखिलेश ने भाजपा को घेरते हुए एक्स पर लिख दिया कि 'तोड़फोड़ की राजनीति को जो काम भाजपा दूसरे दलों में करती थी, अब वह वहीं काम वह अपने अंदर कर रही है। इसलिए अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है।' इस बीच केशव दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर वापस लखनऊ पहुंचे तो अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि 'लौट के बुद्धू घर को आए।' कुल मिलाकर दोनों नेताओं के बीच व्यंग से शुरू हुई नोंकझोंक अब कटुता में बदलती जा रही है।

पिकअप और बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर, युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के सलेमपुर– भागलपुर मार्ग पर शनिवार को पिपरा सरवन गांव के सामने पिकअप और बाइक की आमने–सामने टक्कर हो गई। पिकअप व बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बाइक सवार घायल युवकों को सीएचसी लार पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। शत्रुघन शर्मा (34) पुत्र अयोध्या शर्मा अपने भतीजा राहुल शर्मा (23) पुत्र सरवन शर्मा निवासी पिपरा बाजार नेबुआ नौरंगिया कुशीनगर के साथ बाइक से बेल्थरा की तरफ जा रहे थे। अभी वे सलेमपुर – भागलपुर मार्ग पर पिपरा सरवन गांव के सामने पहुंचे थे कि सामने से आ रहे तेज रफ्तार की पिकअप ने जोरदार ठोकर मार दिया। पिकअप की टक्कर से बाइक सवार शत्रुघन शर्मा व राहुल शर्मा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर सूचना के बाद मौके पर पहुंचे सदानंद (26) पुत्र अयोध्या शर्मा भी बाइक हटाने के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तीनों घायलों को सीएचसी लार पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान शत्रुघन शर्मा की मौत हो गई। उधर शत्रुघन शर्मा की मौत की सूचना गांव व घर पहुंचने पर कोहराम मच गया। घर पर पत्नी रंजना देवी, माता कौशल्या देवी, भाई सरवन व संतोष का रो–रो कर बुरा हाल है। शत्रुघन शर्मा के दो लड़के अंश (5) वर्ष वह दिव्यांश (3) वर्ष हैं। इस हादसे में घायल अन्य दो सदानंद शर्मा और राहुल शर्मा का इलाज अभी चल रहा है। उधर अस्पताल की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शत्रुघन शर्मा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मां की गोद सो रही मासूम को उठा ले गया भेड़िया

संवाददाता–बहराइच। महसी इलाके में भेड़िया का आंतक थम नहीं रहा है। शनिवार भोर मां के पास सो रही डेढ़ वर्षीय बालिका को भेड़िया झपट ले गया। मां के शोर मचाने पर लोग दौड़े। तलाश के दौरान तीन सौ मीटर दूर गन्ने के खेत में बालिका का शव बरामद हो गया है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाश पोस्टमार्टम को भेजा है। हरदी थाने के नकवा गांव निवासी राकेश की पत्नी के पास चारपाई पर उसकी डेढ़ वर्षीय बेटी प्रतिमा सो रही थी। शनिवार भोर में लगभग पांच बजे भेड़िया घर में घुसा। मां के बगल सो रही बेटी प्रतिमा को गले से दबोच कर भेड़िया भाग गया। अचानक आंख खुलने पर मां ने शोर मचाया। लोग लाठी–डंडे लेकर दौड़े। लगभग तीन सौ मीटर के फांसले पर गन्ने के खेत में बालिका का क्षत विक्षत शव मिला, तो परिजनों में हाहाकार मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस बल के साथ पहुंचे एसएचओ ने लाश पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वन महकमे की टीम मौके पर पहुंची है। इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

हॉस्टल से बैग लेकर तीन छात्र फरार

संवाददाता–देवरिया। जिले के भाटपाररानी कस्बा के एक प्राइवेट स्कूल के हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रहे तीन छात्र शनिवार की भोर में बैग लेकर फरार हो गए। इसकी सूचना मिलते ही हॉस्टल में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में स्कूल के संचालक ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। कस्बा के रतसिया मोड़ स्थित पुराने एफसीआई गोदाम के मकान में आइडियल एकेडमी के नाम से प्राइवेट स्कूल चलता है। स्कूल में ही हॉस्टल है। स्कूल संचालक अरुण कुमार मौर्य के अनुसार हॉस्टल में रह कर पढ़ाई करने वाले कक्षा 8 वीं के छात्र ओम सिंह (14) पुत्र धरमराज सिंह निवासी जामो बाजार जिला सीवान व श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के रहीमपुर के रहने वाले कक्षा 6 का छात्र आलोक कुमार (12) पुत्र हरिंदर प्रसाद समेत श्रीरामपुर थाना के पड़री बाजार निवासी कक्षा 3 के छात्र अंकित कुमार पुत्र धर्मेंद्र प्रसाद हॉस्टल में रह कर पढ़ाई करते थे। तीनों छात्र शनिवार की भोर में अपना बैग लेकर हॉस्टल से भाग गए है। इसकी जानकारी होने पर स्कूल के संचालक ने पुलिस व छात्रों के परिजनों को सूचना दी है।

श्री संकटमोचन हनुमान किला में हुआ बर्फानीश्वर महादेव की प्राणप्रतिष्ठा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या के बाईपास स्थित श्री संकटमोचन हनुमान किला मंदिर में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज के संयोजन में श्रावण मास की पवित्र महीने में जन कल्याण और विश्वकल्याण के लिए बर्फानीश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा मुख्य यजमान समाजसेवी अमर सिंह ने सपत्नीक की। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 5 दिन पूर्व वैदिक विद्वान आचार्य कुलदीप तिवारी द्वारा कराया गया।

महंत परशुराम दास महाराज ने बताया कि वर्तमान समय में पूरे विश्व मे शांति व्याप्त शांति स्थापित करने के लिए कायाकल्पी बर्फानी दादा के स्मरण में कराया गया है। बर्फानी दादा हमेशा विश्वशांति और जीव कल्याण की बात करते थे। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा करके ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे भगवान भोलेनाथ स्वयं प्रभु श्री राम का दर्शन करने हो, क्योंकि सौ वर्षों के प्रतिरक्षा के बाद प्रभु श्री राम लाल अपने जन्म स्थान पर विराजमान और भगवान श्री राम के अन्नय भक्त हनुमान जी के स्थान संकट मोचन हनुमान किला में भगवान शिव भी विराजमान हो गए हैं। समाजसेवी अमर सिंह ने बताया कि हनुमान जी ऐसे देवता जिनकी आराधना से सभी का कल्याण होता है सर्व भवंति सुखना सर्वे संतु निरामया के उद्देश्य से शिवजी की स्थापना महंत परशुराम दास महाराज के संयोजन में संकटमोचन हनुमान किला में उन्हीं की कृपा से किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुजारी महंत रामचरण दास खाक चौक,महंत विजय राम दास, महंत दामोदर दास, शिक्षक संघ के नेता चंद्रशेखर सिंह, उमेश सिंह, प्रमोद कुमार सोनी उर्फ मोदी, ज्ञानप्रकाश शर्मा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर संतो महंत एवं भक्तों का बृहद भंडारा भी किया गया।

उल्टी-दस्त से 24 घंटे के अंदर बाप, बेटे की मौत, पत्नी और 3 बच्चे गंभीर

संवाददाता–गोण्डा। जिले में कुरासी में उल्टी–दस्त से 24 घंटे के भीतर पिता व पुत्री की मौत हो गई जबकि पत्नी सहित तीन बच्चे गंभीर रूप से बीमार है। ग्रामीणों ने सभी को इलाज के लिए 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटियाथोक में भर्ती कराया है, जहां पर सभी का इलाज चल रहा है।

विकासखंड रुपईडीह के ग्राम पंचायत कुरासी में करीब एक सप्ताह से कुछ लोग उल्टी – दस्त से पीड़ित है। सभी लोगों ने अपना इलाज निजी चिकित्सालयों से लेकर पीएचसी व सीएचसी पर कराया। इसके बाद भी गांव के सुशील कुमार शुक्ला का पूरा परिवार उल्टी – दस्त की चपेट में आ गया। उपचार के दौरान शुक्रवार को सुशील कुमार शुक्ला उम्र 30 वर्ष व शनिवार सुबह बेटी शिव देवी उम्र 01 वर्ष की मृत्यु हो गई। जबकि पत्नी रीमा शुक्ला उम्र 25 वर्ष , सुनैना देवी उम्र 5 वर्ष, सृष्टि उम्र 3 वर्ष गंभीर रूप से बीमार है। ग्रामीण ने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों व डायल 108 एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस के ड्राइवर रामकुमार व पायलट संतोष कुमार सभी बीमार लोगों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटियाथोक ले गए जहां पर सभी का उपचार चल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधीक्षक डॉ .सुनील कुमार पासवान ने बताया कि कुरासी के तीन लोग डायरिया से पीड़ित है। सभी का इलाज चल रहा है ।

डायरिया से बीमार चल रही रीमा शुक्ला की माता दुर्गा देवी ने बताया कि पूरा परिवार करीब एक सप्ताह से उल्टी – दस्त से पीड़ित है, जिसका उपचार निजी चिकित्सालय में कराया गया। लोगों ने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी परंतु सूचना के बाद भी आज तक कोई टीम गांव नहीं पहुंची जिससे लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। गांव में बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है।

बिजली के लिए परेशान लोगों का एक्सईएन कार्यालय पर फूटा गुस्सा, आधी रात हंगामा

संवाददाता–देवरिया। सलेमपुर विद्युत उपकेंद्र 33ध11 पर बीएसएनएल फीडर की 4 सौ केवीए ट्रांसफार्मर जलने एवं बिजली कटौती से नाराज लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने शुक्रवार की रात सलेमपुर में एक्सीएन कार्यालय पर जमकर हंगामा किया। सूचना पहुंचे उपजिलाधिकारी तथा सीओ सलेमपुर ने जनता को समझा बुझाकर किसी तरह शांत कराया। एसडीएम ने जेई तथा मौजूद कर्मचारियों को फटकार लगाई। सलेमपुर नगर पंचायत के बीएसएनएल फीडर का चार सौ केवीए ट्रांसफार्मर गुरुवार को जल गई। ट्रांसफार्मर जलने की सूचना लोगों ने विभाग को देकर ट्रांसफार्मर दूसरा लगाने की मांग किया था। जेई ने चार सौ केवीए की ट्रांसफार्मर के जगह 250 केवीए की ट्रांसफार्मर लगवा दिया जो कुछ ही देर में जल गया। भीषण गर्मी से बेहाल बीएसएनएल फीडर से जुड़े सोहनाग रोड, लोहिया नगर वार्ड के सैकड़ों की संख्या में लोग ट्रांसफार्मर जलने व बिजली कटौती से नाराज लोग शुक्रवार की आधी रात नगर स्थित एक्सईएन कार्यालय पर पहुंच कर हंगामा शुरू कर दिया। नाराज भीड़ ने सभी फीडर को बंद करा दिया। इसके साथ ही बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी एवं प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त करने लगे। सूचना पर एसडीएम गिरीश चन्द्र झा, सीओ दीपक शुक्ल समेत कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच आक्रोशित लोगों को किसी तरह समझा कर शांत कराया। और बन्द फीडरों की बिजली बहाल कराया। वहीं एक्सईएन व सम्बंधित जेई को बुलवाया। एसडीएम ने जेई को फटकार लगाते हुए बिजली व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने का निर्देश दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि जेई कभी भी सलेमपुर में निवास नही करते हैं और न ही फोन उठाते हैं। बिजली विभाग के सभी अधिकारी की मनमानी के वजह से इस भीषण गर्मी में बेहाल रहना पड़ रहा है। एसडीएम ने बताया कि ट्रांसफार्मर जलने लोग नाराज थे। उपकेन्द्र पर हंगामा कर रहे लोगों को समझा बुझाकर शांत कराने के बाद बन्द फीडरों की बिजली बहाल करा दी गई।

जय भोलेनाथ का उद्घोष कर पानी टंकी पर चढ़ गए बाबा

संवाददाता–गोण्डा। गेरुआ वस्त्रधारी एक बाबा जय भोलेनाथ कहते हुए शनिवार दोपहर अचानक गांधी पार्क स्थित पानी टंकी पर चढ़ गए। काफी मान मनौव्वल के बाद पुलिस ने उन्हें अपने साथ टंकी से उतारा। बाबा को टंकी पर चढ़ा देख भीड़ एकत्र हो गई। पंप चालक व आस– पास के दुकानदारों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन किसी की न सुनते हुए वह टंकी पर चढ़ गए।

पंप चालक शलीम अहमद ने नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल वहीद को सूचना दी। अध्यक्ष की सूचना पर नगरपालिका लिपिक गंगा प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक दीपक सिंह व नितिन उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पंहुचे। उप निरीक्षक दीपक सिंह हमराह श्री कांत व शलीम शेख के साथ टंकी पर चढ़कर बाबा के पास पंहुचे। लगभग तीस मिनट की मान मनौव्वल के बाद बाबा को नीचे उतारा। बाबा की पहचान भिनगा श्रावस्ती के दुर्गापुर के बेचन बाबा की रूप में हुई। बाबा ने बताया कि उन्हें गर्मी अधिक लग रही थी, तो हवा खाने टंकी पर चढ गए थे।

नरवाजोत बंधे पर बैकरोलिंग से कटान ने बढ़ायी प्रशासन व ग्रामीणों की चिंता

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के नरवाजोत बंधे पर बड़ी गंडक ने बैकरोलिंग करते हुए कटान तेज कर दी है। इससे आस पास बसे ग्रामीणों व प्रशासन की चिंता बढ़ गयी है। बाढ़ खंड विभाग कटान रोकने के प्रयास में जुटा है मगर खतरा कम नहीं होने का नाम नहीं ले रहा है। नरवाजोत बंधे की स्थिति यह कि जिस गति से कटान हो रही है, उससे खतरे की आशंका बढ़ गई है। मौके की गंभीरता को देखते हुए बाढ़ खंड विभाग ने दो और नए अवर अभियंताओं विनोद शर्मा व रामचंद्र को बंधे के लिए नियुक्त किया है। नदी ने बंधे पर स्थित 25 छठ की वेदियां, एक पुराना मकान, कई झोपड़ियां और बगीचे सहित भारी नुकसान किया है। नदी बंधे पर स्थित मास्टर सिंह, राजेंद्र सिंह, बहादुर सिंह, हरेंद्र सिंह और रामचंद्र सिंह का खेत अब पूरी तरह निगल चुकी है। कुछ दिन पहले तक नदी स्पर के पूरब की तरफ कटान कर रही थी, परंतु सुबह से नदी के निशाने पर स्पर का पश्चिमी हिस्सा आ जाने से लोगो में भय व्याप्त है। लोगों का कहना है कि अगर नदी ने स्पर का यह हिस्सा काट दिया तो बंधे को बचाना मुश्किल हो जाएगा। यही स्थिति एपी बांध के किनारे स्थित जवही मलही गांव के ततवा टोला के समीप स्थित मुसहर बस्ती का है, जहां पुराने लिंक बांध के कट पर पूरब और उत्तर तरफ नदी बांध के पास लगभग एक मीटर तक कटान कर चुकी है। इस संबंध में तमकुहीराज के एसडीएम विकास चंद ने बताया कि नरवाजोत बांध के स्पर पर कटानस्थल की मरम्मत की गई है। अब बैकरोलिंग से कटान हो रही है। एपी बांध की मुसहर टोली के पास पुराने बांध पर भी गंडक अप साइड में नीचे कटान शुरू की है, जिसे रोकने के लिए मरम्मत शुरू करा दी गई है। नदी खतरे के निशान से नीचे बह रही है। जल स्तर में हो रहे असामान्य बहाव के कारण बंधे पर खतरा बना हुआ है।

लार क्षेत्र में खून से लथपथ मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह खून से लथपथ एक युवक का शव मिला। उसके शरीर पर जख्म के गंभीर निशान हैं। परिजनों ने उसकी हत्या का आरोप लगाया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुटी है ।

लार थाना क्षेत्र के भुरुसुडी गांव निवासी राहुल कुमार (26) पुत्र स्व. राजवंशी प्रसाद शुक्रवार को दिन से गायब था। शनिवार की सुबह उसके गांव से 3 किलोमीटर दूर बरडीहा दलपत पिपराडीह के टोला भैंसही के समीप घोरुवीर बाबा स्थान के समीप उसका शव मिला। मौके पर जुटी भीड़ ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। घटना के मामले में पुलिस छानबीन कर रही है। परिजन युवक की हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगा रहे हैं।परिजनों के अनुसार राहुल शुक्रवार की सुबह पेट्रोल पम्प पर कार्य करने जाने की बात कह कर घर से निकला था। उसके शरीर पर जख्म के गंभीर निशान हैं जो सीधे–सीधे उसकी हत्या की पुष्टि करते हैं।

राहुल चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसकी मौत की सूचना घर पहुंचने कोहराम मच गया। घर पर माता फुलेसरी देवी, भाई छांगुर प्रसाद, अंशु व रवि और बहन सुशीला का रो रो कर बुरा हाल है।

उक्त संबंध में प्रभारी निरीक्षक लार कपिलदेव चौधरी ने बताया कि एक युवक का शव मिला है। युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया गया है। अभी तहरीर नहीं मिला है। तहरीर मिलने के बाद व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर अगली कार्रवाई की जाएगी।

कई घंटों के सर्च आपरेशन के बाद पकडा गया तेंदुआ

संवाददाता–गोण्डा। जिले के फातिमा स्कूल परिसर में एक तेंदुआ के घूमने की चर्चा से स्कूल समेत उसके आसपास हड़कंप मच गया। प्रबंधन ने स्कूल की छुट्टी कर दी। शुक्रवार को देर शाम गोंडा पहुंची गोरखपुर चिड़ियाघर की टीम ने 15 घंटे बाद शनिवार को तेंदुए का रेस्क्यू किया। चिड़ियाघर अपनी निगरानी में तेंदुए को गोरखपुर चिड़ियाघर लेकर आ रही है। एक हफ्ते पहले स्कूल फातिमा परिसर में तेंदुए की चहलकदमी देखी गई थी। शुक्रवार को सुबह चार बजे के करीब इसे फिर देखा गया। तेंदुए की पहचान के बाद स्कूल प्रबंधन ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सीएफ मनोज सोनकर और डीएफओ गोंडा ने इसकी सूचना प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव को दी। उन्होंने इसे रेस्क्यू करने के लिए शहीद अशफाक उल्लाह खां प्राणि उद्यान को नामित किया। चिड़ियाघर से मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम शुक्रवार को देर शाम गोंडा पहुंच गई। डॉ. योगेश ने बताया कि फातिमा स्कूल के पास एक खाली मकान में पिछले एक हफ्ते से तेंदुआ रह रहा था। इसके आसपास बहुमंजिला इमारते हैं। जहं पर वह रहता था वह फ्लोर पर कोई नहीं रहता था लेकिन उसके ऊपर लोग रहते थे। लोगों के अनुसार यह तेंदुआ केवल रात में 11 से चार बजे के बीच दिखाई दे रहा था। सीसीटीवी फुटेज में इसकी पहचान हुई। डॉ. योगेश ने बताया कि रात में जब यह कंफर्म हो गया कि फुटेज में दिखने वाला वन्यजीव तेंदुआ ही है तो इसे रेस्क्यू करने की तैयारी शुरू कर दी गई। सुबह होते ही वह टीम के साथ उस मकान में गए। वहां पर तेंदुए के पदचिन्हों को देखते हुए आगे बढ़े। वहां पर उसकी पूंछ दिखाई दी। एक सुराख से उसको टैंकुलाइज कर बेहोश किया गया। इसके बाद उसे पिंछरे में कैद कर लिया गया। चिड़ियाघर की टीम तेंदुए को लेकर शनिवार देर रात गोरखपुर पहुंच जाएगी। डॉ. योगेश ने बताया यह एक नर तेंदुआ है, जिसकी उम्र करीब छह वर्ष है।

एक महीने में 18 गुना अधिक लोगों ने अपनाया बीएसएनएल

संवाददाता–देवरिया। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल की पूछ फिर बढ़ रही है। एक समय इसे छोड़ चुके लोग तो कंपनी को अपना ही रहे हैं। नए लोग भी कंपनी का सिम खरीदकर फिर से नाता जोड़ रहे हैं। इसका गवाह कंपनी के सिम वितरण के आंकड़े हैं। जुलाई महीने के 24 दिनों में जून की अपेक्षा 18 गुना अधिक लोगों ने बीएसएनएल को अपनाया है। साल 2003 में देवरिया दूरसंचार जिले के तहत देवरिया व कुशीनगर में जब भारत संचार निगम लिमिटेड की मोबाइल सेवा शुरू हुई तो कंपनी के जीएम आफिस के बाहर सिम खरीदने वालों की लंबी कतारें लगती थीं। धीरे धीरे कंपनी का कस्टमर बेस लाखों में पहुंच गया। पर समय बीतने के साथ निजी कंपनियों ने बीएसएनएल को पीछे छोड़ दिया। वह पहले थ्री जी और फिर 4जी सेवाओं के भरोसे लोगों तक पहुंच बना लीं। लोग बीएसएनएल को भूलने लगे थे। इस बीच जुलाई 2024 में समय ने फिर करवट लिया। निजी क्षेत्र की कंपनियों ने अपने रिचार्ज कूपन महंगे कर दिए। इससे लोगों को फिर से बीएसएनएल की याद सताने लगी। इस बीच सरकारी कंपनी की 4जी सेवाओं को लेकर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लोगों तक पहुंची और ग्राहक पुनः बीएसएनएल के पास वापस आने लगे। बीते अप्रैल से लेकर जुलाई के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि बीएसएनएल के साथ जुलाई में जून की अपेक्षा 18 गुना अधिक ग्राहक दूसरी कंपनियों से आए। अप्रैल में जहां दूसरी कंपनियों से बीएसएनएल में 154 लोगों ने अपना नंबर पोर्ट कराया। वहीं मई में महज 91 नंबर पोर्ट हुए। जून में 128 नंबर दूसरी कंपनियों से आए। पर जुलाई (24 तारीख तक) में यह आंकड़ा बढ़कर 2417 हो गया। बाकी के छ दिनों में यह संख्या अभी बढ़ना तय है। आंकड़ों पर गौर करें तो बीएसएनएल ने अप्रैल में 641 नए सिम बेचे, मई में 639 सिम बेचे। जून में यह घटकर 435 सिम पर रह गया। जुलाई में इसमें अचानक से वृद्धि हुई और कंपनी ने करीब 13 गुना अधिक 5713 नए सिम 24 जुलाई तक बेच लिए। बीते चार महीनों में बीएसएनएल से दूसरी कंपनी में अपना नंबर पोर्ट कराने वालों की संख्या में आधे से अधिक की कमी हुई है। अप्रैल में 731 लोग बीएसएनएल छोड़कर गए। मई में 648 ग्राहकों ने बीएसएनएल छोड़ा। जून में 563 ग्राहक दूसरी कंपनी में नंबर पोर्ट करा लिए। पर जुलाई में अप्रैल की अपेक्षा आधे से कम 319 लोगों ने ही बीएसएनएल से अन्य कंपनियों में अपना नंबर पोर्ट कराया।

अनुज श्रीवास्तव, आपरेशन हेड बीएसएनएल ने कहा कि जुलाई में निजी कंपनियों के रिचार्ज महंगे होने से लोग को फिर से बीएसएनएल से जुड़ने लगे हैं। इस महीने हमने 5500 नए सिम बेचने का लक्ष्य रखा था। पर 24 जुलाई तक ही 5713 सिम बिक गए। 2417 कस्टमर दूसरी कंपनियों से आ गए। कंपनी जिले में 4जी सेवाएं शुरू कर चुकी है। हम सेवाओं को दिन प्रतिदिन बेहतर कर रहे हैं।

बीच सड़क पर महिला ने युवक का कॉलर पकड़ा, फिर जड़ने लगी थप्पड़, वीडियो वायरल

संवाददाता–बहराइच। एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक महिला युवक का कॉलर पकड़ कर उसके ऊपर थप्पड़ बरसा रही है। आसपास तमाशबीन मौजूद हैं। सरेराह हुई इस घटना के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी। हालांकि इस दौरान किसी ने वीडियो बनाया सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। युवक महिला को अपनी पत्नी बता रहा था। उसका कहना था कि उसने महिला के साथ कोर्ट मैरिज की है। कोर्ट मैरिज के बाद ये महिला गायब हो गई थी। वायरल वीडियो शहर के अति व्यस्ततम पीपल चौराहे का बताया जा रहा है। नगर कोतवाली पीपल चौराहे पर शुक्रवार दोपहर एक महिला निकली। इस महिला के पीछे पहुंचे एक युवक ने अचानक से उसे टोक दिया। युवक के टोकते ही महिला का पारा हाई हो गया और दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते महिला ने युवक का कॉलर पकड़ लिया, इसके बाद उसके गाल पर महिला ने थप्पड़ जड़ने शुरू कर दिए। युवक को महिला द्वारा पिटता देखकर तमाशबीन इकट्ठा होने लगे। इस पर महिला ने कहा कि वीडियो बनाओ। इसके बाद भी किसी ने बीच–बचाव की कोशिश नहीं की। फिर महिला वहां से चली गई। युवक फखरपुर इलाके का बताया जा रहा है। युवक का कहना था कि उसने उस महिला से कोर्ट मैरिज की थी। अचानक वह उसे छोड़ कर गायब हो गई थी। नगर कोतवाल मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि कोतवाली में कोई तहरीर नहीं आई है। जानकारी होने पर पुलिस गई थी, तब तक दोनों जा चुके थे।

कर्ज में डूबे व्यापारी ने रची खुद के अपहरण की साजिश, पुलिस ने कांवड़िया बनकर हरिद्वार से दबोचा

संवाददाता–गोण्डा। बीते बुधवार शाम को अचानक गायब हुए फूल व्यापारी अर्जुन राजपूत को पुलिस टीम ने हरिद्वार से पकड़ लिया है। एसपी ने बताया कि कर्ज में डूबे व्यापारी की तलाश में पुलिस कांवड़िया बनकर शुक्रवार को हरिद्वार में हर की पैड़ी पहुंची और उसे दबोच लिया। फिर से करनैलगंज लाया गया। व्यापारी के अपहरण का नाटक रचने से पुलिस महकमे के साथ उसके परिवारीजन भी हैरान रह गए। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि सर्विलांस के मिली लोकेशन के आधार पर व्यापारी अर्जुन को चौकी प्रभारी भंभुआ के नेतृत्व में गई टीम ने हरिद्वार से बरामद कर लिया है। अर्जुन को शक न हो इसके लिए पुलिस टीम ने कांवड़ियों की वेशभूषा धारण की थी। उसे हरकी पैड़ी के पास पकड़ा गया। पुलिस टीम उसे लेकर जिले के लिए रवाना हो चुकी है। मामला करनैलगंज कोतवाली के बसहिया के मजरा धौरहरा से जुड़ा है। यहां के निवासी अर्जुन राजपूत फूलों का व्यापार करता है। बुधवार की शाम बाजार आने के बाद अचानक लापता हो गया था। बाद में फोन पर उसके अपहरण और 70 लाख की फिरौती मांगने की बात सामने आई। घटना के दूसरे दिन एसपी खुद कोतवाली पहुंचे और मामले में अपहरण व फिरौती मांगने का केस दर्ज करने का निर्देश दिया। गुरुवार देर शाम तक अर्जुन के घर पर गांव वालों और रिश्तेदारों का जमघट लगा रहा। इस बीच वायरल दूसरे ऑडियो में 70 की जगह 60 लाख रुपये की फिरौती देने की बात कही थी। व्यापारी के नाटक रचने से पूरा परिवार परेशान रहा।

शुक्रवार को गांव वालों ने बताया कि जब से अर्जुन के अपहरण की खबर मिली उसके परिवार के लोगों ने खाना पीना तक छोड़ दिया। घर की महिलाओं का रो–रो कर हाल बेहाल रहा। चन्द्रिका प्रसाद के तीन बेटे व दो बेटियां है। इनमें अर्जुन सबसे बड़े व अनिल तथा अनन्तराम उनसे छोटे हैं। अर्जुन के कथित अपहरण के बाद परिजनों के फोन पर लगातार फोन आ रहा है जिसमें पहले 70 लाख की फिरौती मांगी गई थी लेकिन बाद में रकम 60 लाख कर दी गई। इस संबंध में वायरल ऑडियो में अर्जुन के पास से 4.70 लाख नकद ले लेने की भी बात बता रहे हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री की हत्या में महिला गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्ड। आंगनबाड़ी कार्यकत्री की हत्या के मामले में पुलिस ने अब गांव की ही एक महिला को उठाया है। पुलिस उससे पूछताछ कर सुराग तलाशने में जुटी हुई है। शनिवार सुबह गांव के बगल एक बाग में भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। हत्या के तार गांव से ही जुड़े होने के कारण गांव में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने एमडीएम के नौ नमूने लिए

संवाददाता–देवरिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जिले के विभिन्न ब्लाकों में स्थित परिषदीय विद्यालयों में रसोई का निरीक्षण किया। इन विद्यालयों में तैयार मध्यान्ह भोजन के नौ नमूने संग्रहित किए। टीम ने रोटी, तैयार, चावल, तैयार सब्जी व पक्की हुई दाल के नमूने लिए। विद्यालयों में उपस्थित कुल 229 बच्चों को संचारी रोग से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही खाद्य सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा सलेमपुर के पिपरा नाजिर वार्ड की पीडीएस दुकान का निरीक्षण कर गेहूं व चावल के नमूने संग्रहित किए। दुकान का खाद्य सुरक्षा में रजिस्ट्रेशन नहीं पाए जाने पर चेतावनी दी गई। साथ दो दिनों के अंदर पंजीकरण कराने का निर्देश दिया गया।

समाधान दिवसः बोतल में ज्वलनशील पदार्थ ले पहुंची महिला, मचा हड़कंप

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर के कोतवाली खलीलाबाद थाना समाधान दिवस पर शनिवार को डीएम महेंद्र सिंह तंवर और एसपी सत्यजीत गुप्ता फरियाद सुन रहे थे। उसी दौरान एक महिला बोतल में ज्वलनशील पदार्थ लेकर पहुंच गई। जैसे ही उसने बोतल निकाला उसी दौरान पुलिस कर्मियों ने महिला से बोतल छीन लिया। पुलिस कर्मियों की सजगता से कोई बड़ी घटना नही हुई। महिला का आरोप था कि उसके जमीन का वरासत किसी और ने करा लिया था। बाद में अधिकाारियों ने फरियाद सुनी और निस्तारण का आश्वासन दिया। खलीलाबाद कोतवाली परिसर में डीएम व एसपी थाना समाधान दिवस पर पीड़ितों की फरियाद सुन रहे थे। उसी दौरान गोरखपुर जनपद के कटसहरा निवासी लालती देवी डीएम व एसपी के समक्ष पहुंची। एसपी के सुरक्षा कर्मियों की नजर महिला के हाथ में पकड़ी बोतल पर पड़ गई।

जब तक कोई कुछ समझ पाता उसे बोतल का ढक्कन खोलते देखकर सुरक्षा कर्मी ने लपककर हाथ से बोतल छीन लिया और कार्यालय में लेकर चले गए। इसके बाद महिला अपनी शिकायतों के प्रपत्रों को अधिकारियों के सामने दिखाने लगी। महिला लालती देवी का आरोप था कि उसकी जमीन खलीलाबाद तहसील के कुईकोल में है। विपक्षियों ने उसके पिता से गलत तरीके से रजिस्टर्ड वसीयत कराकर जमीन हथिया लिया है। पूर्व में कई बार शिकायत के बाद भी उसे जमीन पर कब्जा नही मिल पा रही है। इसके बाद महिला पुलिस कर्मियों ने महिला को पकड़कर कुर्सी पर बैठाया। डीएम ने परेशान शिकायत कर्ता को पानी पिलाने के लिए कहा। पानी पिलाने के बाद उसके शांत होने पर उसकी फरियाद सुनी। संबंधित अधिकारियों को प्रपत्र देकर शिकायतों के निस्तारण का निर्देश दिया। डीएम के पहल से महिला आश्वस्त होकर दफ्तर से वापस लौट गई। कलेक्ट्रेट के अधिकारियों में ये चर्चा का विषय हो गया कि अब लोग अपनी मांग मंगवाने के लिए इस खतरनाक रास्ते को अपनाने लगे हैं। उन्हें लगता है कि ऐसे अधिकारियों पर दबाव बनाकर अपनी बातें मनवाई जा सकती है। संतकबीरनगर में एक सप्ताह में ऐसे दो मामले सामने आ गए। जबकि, गोरखपुर पुलिस दफ्तर में भी पिछले दिनों एक ऐसा ही मामले सामने आया था। लोगों का भी मानना है कि ऐसे प्रयासों में जरा सी चूक होने पर जान का खतरा बन जाता है। या शारीर का कोई अंग अगर प्रभावित हो गया तो पूरा जीवन फिर बेहद कठिन हो सकता है।

पूरे दिन ठप रही महुली फीडर की विद्युत सप्लाई, मचा हाहाकार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के विद्युत उपकेंद्र हरिहरपुर से संचालित महुली फीडर की सप्लाई शनिवार को पूरे दिन ठप रही। भीषण गर्मी के चलते हाहाकार मचा रहा। दुकानदार और ग्रामीण गर्मी से बेहाल होकर परेशान रहे। उपकेंद्र से नए बनाए गए कुशाहवा फीडर का ट्रायल और दुरुस्तीकरण होने की वजह से आपूर्ति बंद रही। महुली फीडर से जुड़े दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को लोक सभा चुनाव खत्म होने के बाद से सही ढंग से बिजली नहीं मिल पा रही है। हर दस से 15 मिनट में ही बिजली कटौती हो जा रही है। फीडर से जुड़े गांव छितही, मानपुर, सिसवनिया, सिकटहा, बन्धुपूर आदि के ग्रामीण नूरुल अमीन, सुनील, गायत्री, सोनिया, फरहाना, अतुल आदि ने बताया कि बार–बार बिजली कटने से परेशान हो चुके हैं। जरूरत के हिसाब से आपूर्ति नहीं मिलने से इनवर्टर बैट्री चार्जिंग खत्म हो जा रही है। दूसरी तरफ भीषण गर्मी से बेहाल होने जैसी स्थिति है। विभाग के आपूर्ति शेड्यूल की बात तो दूर चौबीस घण्टे में मात्र दो से तीन घण्टे ही बिजली मिल रही है। लोगों की मानें तो विगत एक सप्ताह से बिजली आंख मिचौली का खेल खेल रही है। शनिवार को तो पूरे दिन आपूर्ति ठप रही। लोग तरह–तरह के उपाय लगाकर गर्मी से निजात पाने का तरीका अपना रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार बिजली विभाग केवल बिल जमा कराने और कनेक्शन जांच के नाम पर उपभोक्ताओं का शोषण कर रहा है। शनिवार को आपूर्ति बहाली नहीं होने पर जिम्मेदारों ने बताया कि नए फीडर कुशहवा पर कार्य चल रहा है। जिसके चलते पूरे दिन बिजली कटी रहेगी।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

वाद सं0 407/83

भागीरथी

बनाम

ओरी आदि

1. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम बहोरवाघाट तप्पा कोड़री परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर जरिए ग्राम प्रधान बहोरवा
2. सरकार उत्तर प्रदेश जरिये जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 13–08–2024

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 08 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के माह 07 के 26 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

दो घरों का ताला तोड़कर नकदी समेत लाखों के जेवरात की चोरी

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चौरा कला के राजस्व गाँव राम नगर (कोढ़िअवा) में शुक्रवार की रात चोरों ने दो घरों के मुख्य दरवाजा का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों के रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। सुबह सो कर उठने के बाद मामले की जानकारी होने पर घर वाले परेशान हो गए। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है। स्थानीय थाने क्षेत्र के ग्राम पंचायत चौरा कला के राजस्व गांव रामनगर (कोढ़िअवा) में लालजी व तीजू पुत्र दशरथ का परिवार रहता है। लालजी का परिवार रिश्तेदारी मे चला गया। और तीजू का परिवार प्रतिदिन की भांति रात्रि में भोजन कर घर से कुछ दूरी पर स्थित दूसरे घर पर सोने चला गया। परिवार का एक सदस्य घर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा बाहर से लगी सीढ़ी से छत पर सोने चला गया। सुबह सो कर उठा तब मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देख अवाक हो गया। चोरी होने का शोर करने लगा। शोर सुन खलंगे पर सोये परिवार व गांव के लोग भी आ गये। घर के अन्दर के सामनों को बिखरा देख सन्न हो गये। मौके पर मौजूद पीडित परिवार के लालजी व तीजू ने बताया कि घर में रखा आठ हजार रुपया नकद व लगभग चार लाख रूपए के जेवरात चोर ले गये है।

2047 के विकसित भारत को समर्पित है बजट –पंकज चौधरी

संवाददाता–गोरखपुर। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि 2024–25 का यह केंद्रीय बजट 140 करोड़ देशवासियों की जनआकांक्षाओं का बजट है। यह बजट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रधानमंत्री की संकल्पना का बजट है। वित्त राज्य मंत्री शनिवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने उसको ध्यान में रखकर पेश किया गया है। इस बजट में 40 हजार करोड़ रुपये सड़क तथा 20 हजार करोड़ रेलवे के लिए प्रविधान किया गया है। इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का बजट 48.21 लाख करोड़ का है, इसका उद्देश्य जीडीपी बढ़ाना, शिक्षा व कौशल की गुणवत्ता बढ़ाना और फिक्सल डेसिफिट को भी नियंत्रित रखता है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य सिर्फ संसद की कार्यवाही में बाधा डालना है। विपक्ष विभाजनकारी राजनीति से प्रेरित होकर बयान बाजी कर रहा है। वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 20 लाख शहरी आवास और 25 लाख ग्रामीण आवास के साथ–साथ मुफ्त राशन योजना से प्रदेश के 15 करोड लोग लाभान्वित होंगे। देश के विकास में मिल का पत्थर साबित होगा।

डाक्टर की लापरवाही से युवक की मौत का आरोप लगाकर ओवरब्रिज जाम किया

संवाददाता–गोरखपुर। बेतियाहाता इलाके के एक हास्पिटल में आप्रेशन के दौरान शुक्रवार की रात एक युवक की मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर घर जा रहे परिवारीजनों ने सूरजकुंड ओवरब्रिज पर शव रखकर जाम लगा दिया। पीड़ित परिवार डॉक्टर की लापरवाही से मौत की बात कहते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें समझा–बुझाकर शांत करा रही है। तिवारीपुर इलाके के माधोपुर सूरजकुंड निवासी सीताराम का बेटा 19 साल का राजकुमार बंगलौर में रहता था वह एक महीने पहले घर लौटा था। इस दौरान वह दुर्घटना में घायल हुआ था। परिवार के लोगों ने बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। गले में गांठ बनने की वजह से बीआरडी के डॉक्टर ने एम्स में रेफर किया था। सीताराम के परिवार ने वहां दिखाया था लेकिन आप्रेशन में पैसा खर्च होने की वजह से वह घर लौट आए थे। माधोपुर कालीमंदिर समिति के लोगों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन लोगों ने आपरेशन के लिए दस हजार इकट्ठा कर परिवार को दिया। कैंट के बेतियाहाता स्थित एक अस्पताल में राजकुमार का शुक्रवार की रात में आपरेशन हुआ। परिवारीजनों का आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही से गले की नश कट गई। खून का रिसाव नहीं बंद हुआ और मौत हो गई। डॉक्टर फरार हो गए और पुलिसवालों ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। शनिवार की शाम करीब चार बजे शव लेकर पीएम हाउस से निकले और सूरजकुंड ओवरब्रिज पर शव रखकर जाम कर दिया।

डीएम ने निर्माण कार्यों की जांची गुणवत्ता

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला मुख्यालय के मेंहदावल बाईपस चौराहे पर चल रहे निर्माण कार्यों की शनिवार को डीएम व एसपी ने जांच की। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता शनिवार को दोपहर बाद अस्थाई बस स्टॉप मेंहदावल बाईपास चौराहे पर पहुंचे। यहा पर चल रहे सुंदरीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी निर्माण कराए जा रहे फुटपाथ, फौव्वारे व अन्य कार्यों की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में कमी मिली तो कार्रवाई होगी। उन्होंने समय से कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने आम लोगों एवं राहगीरों के सुरक्षा का जायजा लिए। इस दौरान ईओ खलीलावाद अवधेश कुमार भारती, अधिशाषी अभियंता पीडब्लूडी एवं टीएसआई उपस्थित रहे।

चार थानों में आए 14 मामले, निपटा सिर्फ एक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा, मिश्रौलिया, कठेला समय माता व त्रिलोकपुर थाने पर शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में 14 मामले आए। इसमें से सिर्फ एक मामले का ही निस्तारण हो सका। बाकी बचे मामलों के निस्तारण के लिए टीमें गठित कर तय समय में निस्तारण के निर्देश दिए गए।

इटवा थाने पर नायब तहसीलदार अमित कुमार सिंह के सामने पांच मामले आए। इसमें से सिर्फ एक मामले का निस्तारण हो सका। इस अवसर पर थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश यादव आदि मौजूद रहे। त्रिलोकपुर थाने पर एसडीएम कल्याण सिंह मौर्य की मौजूदगी में छह मामले आए। इसमें से एक का भी समाधान नहीं हो सका। यहां थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह आदि मौजूद रहे। मिश्रौलिया थाने पर तहसीलदार रवि कुमार यादव के सामने एक मामला आया और वह भी नहीं निपट पाया। इस मौके पर थानाध्यक्ष अरुण कुमार आदि मौजूद रहे। कठेला समय माता थाने पर थानाध्यक्ष रोहित उपाध्याय के सामने दो मामले आए पर निस्तारण नहीं को सका।

प्रसव से संबंधित शिकायत की जांच करने इटवा सीएचसी पहुंचे सीएमओ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सीएमओ डॉ.रजत कुमार चौरसिया शनिवार को इटवा सीएचसी पहुंचे। यहां पर उन्होंने दो दिन पहले प्रसव से संबंधित की गई शिकायत की जांच की। इसके बाद ओपीडी, लैब को देखने के साथ अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। अभिलेखों आदि को चेक करने के बाद जिम्मेदारों को जरूरी दिशा–निर्देश दिया। सीएमओ ने कहा कि सीएचसी पर जो भी मरीज आ रहे हैं उन्हें सुविधाओं के अनुरूप उपचार मिलना चाहिए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

24 जुलाई को क्षेत्र के धंधरा गांव निवासी अनीता पत्नी संतोष कुमार व मेहदानी बिशुनपुर निवासी कोमल पत्नी दुर्गेश इटवा सीएचसी पर प्रसव कराने के लिए आई हुई थीं। ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स शमीमा व नेहा ने दोनों महिलाओं की सारी औपचारिकताएं पूर्ण कराने के साथ बेड आदि मुहैया करा दी। दोनों महिलों का आपरेशन होना था इसलिए इसकी जानकारी जिले पर दी गई। चूंकि डॉक्टर सहित अन्य स्टाफ वहीं से आने थे लेकिन उसी दिन एचआरपी डे था इससे डॉक्टर उस्का बाजार में ड्यूटी पर चली गई थी। उस दिन आपरेशन नहीं हो पाया। सुबह में आपरेशन होने की बात सीएचसी कर्मियों की ओर से बताई गई। इस पर दोनों महिलाओं के परिवारीजनों ने जिले पर रेफर करने के लिए कहा। स्वास्थ्य कर्मियों ने कागज आदि बनाकर दोनों महिलाओं को एंबूलेंस से जिले पर रेफर कर दिया था। जिले पर पहुंचने पर दोनों महिलाओं के परिवारीजनों ने सीएचसी कर्मियों पर सुविधाएं मुहैया नहीं कराने का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। उसी शिकायत की जांच करने शनिवार का सीएचसी में पहुंचकर सीएमओ ने प्रकरण की जानकारी ली। इस दौरान ने सीएचसी अधीक्षक समेत दोनों स्टाफ नर्सों को बुलाकर पूछताछ की। अभिलेख आदि चेक करने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि यहां की कोई कमी नहीं थी। जिले से टीम समय पर नहीं आई इसलिए आपरेशन नहीं हो पाया था। प्रकरण की जांच के बाद सीएमओ ने सीएचसी के ओपीडी, लैब आदि को देखकर जिम्मेदारों को जरूरी दिशा–निर्देश दिया।

बीईओ ने अभिभावकों को किया जागरूक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। 6–14 वर्ष वर्ग के सभी बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराने के लिए शनिवार को बीईओ नौगढ़ धर्मेन्द्र कुमार पाल ने शहर के कांशीराम आवास के कई परिवारों से संपर्क कर आउट ऑफ स्कूल बच्चों को चिन्हित करते हुए उनके अभिभावकों को बच्चों को निकटतम परिषदीय विद्यालयों में आयु के अनुरूप कक्षाओं में नामांकित कराने के लिए प्रेरित किया। बीईओ ने कुमारी शाहिदा, जैसमीन, जिब्रान, मोहम्मद हसन आदि आउट ऑफ स्कूल बच्चों के अभिभावकों को बच्चों का नामांकन कराने को प्रेरित किया। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय थरौली के शिक्षक वाचस्पति चतुर्वेदी, अजय कुमार शुक्ल आदि मौजूद रहे।

पारिवारिक विवाद में पति ने पत्नी पर किया कैंची से हमला, अस्पताल में हुई मौत, गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर के कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव निवासी एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के बाद पत्नी पर कैंची से हमला कर दिया। घायल महिला को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद एएसपी शशि शेखर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ केस दर्जकर हिरासत में ले लिया। शव का पंचायतनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। जानकारी के मुताबिक, धौरहरा गांव निवासी अब्दुल रब पुत्र अब्दुल्ला का सुबह लगभग 07:30 बजे अपनी पत्नी शहनाज(28) से किसी बात पर विवाद हो गया। मृतका के भाई की तहरीर के मुताबिक, इस दौरान अब्दुल रब ने कैंची से पत्नी पर हमला कर दिया, जिससे वो गंभीर रुप से घायल हो गई। घटना के बाद परिवार व आसपास के लोग शहनाज को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर धौरहरा चले गए। इसी बीच कुछ लोगों ने घटना की सूचना यूपी 112 को दिया। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। एएसपी शशि शेखर सिंह, सीओ अजीत चौहान व कोतवाल सतीश कुमार सिंह के अगुवाई में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच घटना की जांच पड़ताल की। पुलिस ने मौके से ही आरोपी पति अब्दुल रब को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दिया। वहीं, मृतका के भाई सलमान की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया और मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। एसपी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर जनपद–सिद्धार्थनगर

पत्राकः 778 /न०पा०परि०सि०न० /2024–25　दिनाक 26–07–2024

सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स माधुरी कान्स्ट्रक्शनन, प्रो० श्रीमती माधुरी देवी, पता–पकडी. महुलानी नौगढ़–सिद्धार्थनगर द्वारा नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में पेयजल हेतु व्यवस्था योजनान्तर्गत कुल 14 स्थानों पर वाटर कूलर लगाया गया था। उन सभी वाटर कूलरों का एक वर्ष का मेंटनेंस कार्य मेसर्स माधुरी कान्स्ट्रक्शन द्वारा कराया जाना था। उक्त वाटर कूलर के मेंटनेंस हेतु कार्यालय द्वारा प्रथम नोटिस दिनाक 01.04.2024, द्वितीय नोटिस दिनांक 15.04.2024, तृतीय नोटिस दिनांक 16.07.204 एवं अन्तिम नोटिस दिनाक 16.07.2024 रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किया गया था। परन्तु मेसर्स माधुरी कान्स्ट्रक्शन द्वारा उक्त समस्त नोटिस का कोई उत्तर नही दिया गया और न ही कोई कार्यवाही की गई। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए मेसर्स माधुरी कान्स्ट्रक्शन द्वारा उक्त कार्य हेतु जमा जमानत धनराशि को जब्त करते हुए इस कार्यालय से ब्लैक लिस्ट किया जाता है।

अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर	सिद्धार्थनगर

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश

(आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0– 66/2023

ब्रम्हदत्त पाण्डेय

बनाम

लीलावती आदि

1. शिवांगी उम्र लगभग 17 वर्ष नावालिग पुत्री विद्याराम जरिये संरक्षिका सगे बाबा राम कुमार हकीकी 2. सौरभ उम्र लगभग 14 वर्ष नावालिग पुत्र विद्याराम जरिये संरक्षिका सगे बाबा राम कुमार –विपक्षी/प्रतिवादी मृतक लीलावती के वारिसान)

3. निर्मला देवी उम्र करीब 60 वर्ष पत्नी हृदयराम 4. कपिल देवी उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र हृदयराम 5. प्रमोद कुमार उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र हृदयराम (विपक्षी/प्रतिवादी मृतक हृदयराम के वारिसान) 6. केदारनाथ उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र राम उग्रह (मूलवाद में विपक्षी/ प्रतिवादी सं0–3)

7. प्रभावती उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी अम्बिका प्रसाद 8. अवधेश कुमार उम्र लगभग 40 वर्ष 9. अखिलेश कुमार उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण अम्बिका प्रसाद (विपक्षीगण/ प्रतिवादी सं0–4 मृतक अम्बिका प्रसाद के वारिसान) निवासीगण ग्राम व पोस्ट बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 31–08–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 31 माह 08 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

M.A.C.P.N0 176/2020

अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

उर्मिला आदि

बनाम

मयंक अग्रवाल

2. हरीश कुमार पुत्र रामवीर सिंह साकिन निवासी राजपुर कलान पो0 जानसठ थाना जानसठ जनपद मुजफ्फरनगर (वाहन चालक UP 22 AT 2416) 4. एकल विद्यालय फाउन्डेशन आफ इण्डिया 3210 हरिओंम सदन कटरा पो0 गांधीनगर बस्ती जिला–बस्ती (पंजीकृत स्वामी वाहन UP 51 S- 1839)

तारीख पेशी 29–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

M.A.C.P.N0 124/2020

अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

मोहिनी

बनाम

अनामिका

1. अनामिका सिंह पत्नी अरूण कुमार सिंह निवासी मुहल्ला हा0मु0 मोहद्दीपुर मकान नं0–645 पो0 कूड़ाघाट तहसील सदर जिला गोरखपुर (वाहन स्वामी UP 51 AT 4269)

2. कृष्ण कुमार पाण्डेय पुत्र ओंकार निवासी ग्राम JANAURA, HAWAI,PATTI, TRIBHUWAN, NAGAR, थाना कोतवाली जिला फैजाबाद पिनकोड 224001 (वाहन चालक UP 51 AT 4269)

तारीख पेशी 29–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

M.A.C.P.N0 129/2020

अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

सुमन सिंह

बनाम

विजय कुमार जायसवाल

1. विजय कुमार जायसवाल पुत्र गनपत जायसवाल साकिन रामजानकी नगर वशारतपुर गोरखपुर जनपद–गोरखपुर

तारीख पेशी 29–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com